AMAR UJALA MY CITY Page 5

## लविवि में मिलेगी श्रीविद्या प्रकाश मेमोरियल स्कॉलरशिप

**लखनऊ।** लविवि में अगले सत्र से श्री विद्या प्रकाश मेमोरियल स्कॉलरशिप शुरू की जाएगी। यह छात्रवृत्ति नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार की तरफ से उनके पिताजी की स्मृति में दी जाएगी। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह छात्रवृत्ति लविवि से स्नातक अर्थशास्त्र में सर्वोच्च अंक पाकर पीजी में प्रवेश लेने वाले स्टूडेंट को दी जाएगी। अगर यह स्टूडेंट किसी कारणवश विवि में प्रवेश नहीं लेता तो द्वितीय या तृतीय क्रम से प्रवेशित छात्र (जिसके अंक किसी भी दशा में 60% से कम न हों) को प्रदान की जाएगी। छात्रवृत्ति हजार रुपये महीना दो साल तक दी जाएगी।

## भारतीय संस्कृति और दर्शन दुनिया में सर्वश्रेष्ठ

**लखनऊ।** महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के वीसी प्रो. रजनीश शुक्ला ने कहा कि कठिन हालता का सामने करने में भारतीय संस्कृति और दर्शन दुनिया की दूसरी संस्कृति से बेहतर है। वह लविवि के दर्शनशास्त्र विभाग में लुडविग विटगेंस्टीन फिलोसॉफिकल सोसायटी के वेबिनार को संबोधित कर रहे थे। अमेरिका के प्रो. अलेक्स हैंकी ने भाषा दर्शन और निजता पर प्रकाश डाला। वेबिनार में जेएनयू के प्रो. आरपी सिंह, मद्रास विवि के प्रो. पनीर सेलवम, डीयू की प्रो. ईनाक्षी रे मित्रा, राष्ट्रीय केंद्रीय विवि कश्मीर के प्रो. अनिल, लविवि के राजेंद्र वर्मा, दिल्ली से प्रो. आरसी सिन्हा व इंडियन फिलोसॉफिकल कांग्रेस के चेयरमैन प्रो. यसआर भटनी शामिल हुए।

## कंसल्टेंसी देकर शिक्षक कर सकेंगे कमाई

लखनऊ। लविवि के शिक्षक अपनी विशेषज्ञता का लाभ अन्य संस्थानों को भी दे सकेंगे। लविवि शिक्षकों के लिए कंसल्टेंसी पॉलिसी लेकर आया है। इस पॉलिसी के तहत विज्ञान विषयों में विवि के अध्यापक 60 फीसदी और अन्य विषयों में 70 फीसदी तक आय अपने पास रखेंगे और बाकी विवि को देंगे। कार्यपरिषद से प्रस्ताव पास हुआ है। लविवि ने दो साल पहले भी यह योजना शुरू की थी, लेकिन कंसल्टेंसी के लिए किसी ने शिक्षकों से संपर्क नहीं किया था।

AMRIT VICHAR Page 3

## लविवि के छात्रों को मिलेगी श्री विद्या स्कॉलरशिप

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में (परास्नातक) अर्थशास्त्र विषय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए अगले सत्र से श्री विद्या प्रकाश मेमोरियल स्कालरशिप शुरू की जाएगी। उक्त छात्रवृत्ति नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ राजीव कुमार की तरफ से उनके पिताजी की स्मृति में दिया जा रहा है, और यह एम ए अर्थशास्त्र के प्रथम वर्ष में पढ़ रहे विद्यार्थी को जो लखनऊ विश्वविद्यालय से स्नातक अर्थशास्त्र स्तर पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करके परास्नातक में प्रवेश लेगा/लेगी,उसे दिया जाएगा। यदि स्नातक में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाला विद्यार्थी किसी कारणवश विश्वविद्यालय में प्रवेश नही लेता तो द्वितीय, या तृतीय क्रम से प्रवेशित छात्र (जिसके अंक किसी भी दशा में 60% से कम न हो) को प्रदान की जाएगी। छात्रवृत्ति की राशि हर महीने एक हजार रुपये होगी और 2 साल तक प्रदान की जाएगी।

NBT Page 4

## ग्रीन ऑडिट तय करेगा एलयू की हरियाली

■ एनबीटी, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) ने कैंपस को ईको फ्रैंडली बनाने के लिए ग्रीन ऑडिट करवाने का फैसला किया है। इसमें विश्वविद्यालय की हरियाली और इमारतों के पर्यावरण मानकों की अनुकूलता के मानकों को परखा जाएगा। इसके अलावा एलयू प्रशासन कैंपस में कार्बन फुटप्रिंट को लेकर भी योजना बना रहा है।

ग्रीन ऑडिट की को-ऑर्डिनेटर जूलॉजी विभाग की डॉ. अमिता कनौजिया ने बताया कि इस प्रॉजेक्ट के लिए एलयू अर्थ प्रॅटिक्शन ग्रुप के एनवायरमेंटल कंसल्टेंट नीलेश अग्रवाल के साथ टाईअप करेगा, जो हरियाली और पर्यावरण मानकों को परखेंगे। कैंपस में सर्वे के लिए जूलॉजी, कैंपस को ईको फ्रेंडली बनाने के लिए एलयू प्रशासन ने लिया फैसला

**इनकी होगी परख**

■ पीने के पानी की गुणवत्ता ■ इमारतों में रेन वॉटर हारवेस्टिंग सिस्टम की तकनीक ■ कैंपस में वायु और ध्वनि प्रदूषण के स्तर ■ सीवेज और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट

एनवायरमेंटल साइंस के पीजी स्टूडेंट्स वॉलंटियर रूप से भाग ले सकते हैं। जिन्हें सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा। वहीं, ऑडिट टीम के सुझावों पर अमल होगा।

## एमए इकॉनमिक्स के स्टूडेंट्स को स्कॉलरशिप

■ एनबीटी, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के इकॉनमिक्स विभाग के पीजी कोर्सों के स्टूडेंट्स के लिए अगले सत्र से श्री विद्या प्रकाश मेमोरियल स्कॉलरशिप शुरू की जाएगी। यह स्कॉलरशिप नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार की ओर से उनके पिताजी की स्मृति में दी जा रही है। एलयू में एमए इकॉनमिक्स के फर्स्ट इयर में पढ़ रहे स्टूडेंट्स, जिनके यूजी में सर्वोच्च अंक होंगे, उन्हें यह स्कॉलरशिप दी जाएगी।

## एलयू में दो दिवसीय वेबिनार सीरीज शुरू

■ एनबीटी, लखनऊ : एलयू के बायोकैमिस्ट्री विभाग में 'विक्ट्री बियोंड डिफीट' विषय पर दो दिवसीय वेबिनार शुरू हुआ। वेबिनार का उद्घाटन कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने किया। पहले दिन चार लेक्चर सीरीज हुई जिसमें वक्ताओं ने कोविड 19 को लेकर अपने विचार रखे। वेबिनार में विवि के विभागों के संकाय सदस्य और अन्य विश्वविद्यालयों, एमएससी बायोकैमिस्ट्री और विभाग के बायोटेक्नोलॉजी छात्रों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

HINDUSTAN Page 8

## अर्थशास्त्र विभाग में स्कॉलरशिप मिलेगी

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय का अर्थशास्त्र विभाग परास्नातक छात्रों के लिए अगले सत्र से विद्या प्रकाश मेमोरियल स्कॉलरशिप शुरू करने जा रहा है। यह स्कॉलरशिप नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार की तरफ से उनके पिता की स्मृति में दी जा रही है। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि स्कॉलरशिप एमए अर्थशास्त्र प्रथम वर्ष में पढ़ रहे उस छात्र को दी जाएगी जिसके स्नातक में सर्वोच्च अंक होंगे। स्कॉलरशिप परास्नातक में प्रवेश लेने पर ही दी जाएगी।

## शिक्षकों के लिए कंसल्टेंसी पॉलिसी

**लखनऊ।** लविवि में कार्यरत शिक्षक विवि के अलावा कहीं भी अपनी कंसल्टेंसी व सेवाएं दे सकेंगे। इसके लिए प्रशासन ने कंसल्टेंसी पॉलिसी शुरू की है। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार शिक्षक विवि के अलावा अपनी सेवाएं कहीं देते हैं तो इसके लिए उन्हें अपनी आय का एक हिस्सा विवि को देना होगा। इस पॉलिसी में विज्ञान विषयों के शिक्षकों को अपनी आय का 40 से 30 प्रतिशत हिस्सा विवि को देना होगा।

i-Next Page 5

### एलयू के टीचर अब दूसरे संस्थानों में भी दे सकेंगे सेवाएं

lucknow@inext.co.in

**LUCKNOW (30 May):** लखनऊ यूनिवर्सिटी के टीचर अब दूसरे संस्थानों को भी अपनी एकेडमिक सेवाएं दे सकेंगे. एलयू इसके लिए कंसल्टेंसी पॉलिसी लेकर आया है.

**60 फीसद प्रॉफिट टीचर का**

इस पॉलिसी के अंतर्गत साइंस के टीचर इससे होने वाली इनकम का 60 फीसद हिस्सा अपने पास रख सकते हैं. वहीं

40 फीसद उन्हें यूनिवर्सिटी में जमा करना होगा. वहीं आर्ट्स, कॉमर्स और फाइन आर्ट्स के टीचर को 70 फीसद इनकम अपने पास रखकर 30 फीसद एलयू में जमा करना होगा. इससे दोनों की ही इनमक होगी.

"कंसल्टेंसी पॉलिसी लागू होने पर टीचर्स दूसरी जगह अपनी सेवाएं दे सकेंगे, इससे उनकी प्रोफाइल भी मजबूत होगी और यूनिवर्सिटी को भी फायदा होगा. **प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव,** प्रवक्ता, एलयू

**आते हैं ऑफर**

टीचर्स का कहना है कि उनके पास दूसरी यूनिवर्सिटी और देशों से पढ़ाने का ऑफर आता है. अभी तक इस तरह की पॉलिसी न होने से वे इन ऑफर को मना कर देते हैं. नई पॉलिसी से उनके साथ एलयू को भी काफी लाभ होगा.

DAINIK JAGRAN Page 11

## दूसरी जगह भी पढ़ा सकेंगे लविवि के शिक्षक

**जासं, लखनऊ :** लविवि अपने सभी शिक्षकों के लिए कंसल्टेंसी पॉलिसी लेकर आया है। इसके तहत यहां के शिक्षक अब दूसरे संस्थानों में भी पढ़ा सकेंगे। शर्त यह है कि इससे हुई आमदनी का एक हिस्सा लविवि को देना होगा। इसकी घोषणा वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने की। इस पॉलिसी के तहत साइंस फैकल्टी में पढ़ाने वाले शिक्षक अपनी आमदनी का 60 फीसद हिस्सा अपने पास रखेंगे, जबकि 40 फीसद उन्हें लविवि में जमा करना होगा। इसी तरह कला, वाणिज्य, विधि और फाइन आर्ट्स के शिक्षक कंसल्टेंसी से होने वाली आमदनी का 70 फीसद हिस्सा अपने पास रखेंगे, जबकि 30 फीसद हिस्सा लविवि को देना होगा। लविवि के प्रवक्ता दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि इस पॉलिसी के लागू होने से सभी शिक्षक अब दूसरे संस्थानों में भी अपनी सेवाएं दे सकेंगे।

RASHTRIYA SAHARA Page 5

## लविवि को पैसा देकर कंसल्टेंसी कर सकेंगे प्रोफेसर

लखनऊ। लविवि अपने कार्यरत शिक्षकों के लिए कंसल्टेंसी पॉलिसी लेकर आया है। इस पॉलिसी के तहत विश्वविद्यालय के शिक्षक विश्वविद्यालय के अलावा भी कही और कंसल्टेंसी या अपनी सेवाएं दे पाएंगे वर्शर्ते उनकी आय का एक हिस्सा विश्वविद्यालय को दिया जाए। उक्त पॉलिसी के अंतर्गत विज्ञान विषयों में विश्वविद्यालय के अध्यापक 60 फीसदी और अन्य विषयों में 70 फीसदी तक आय अपने पास रखेंगे और बकाया राशि विश्वविद्यालय से सांझा करनी होगी।

**अर्थशास्त्र में भी शुरू होगी स्कॉलरशिप**

: लखनऊ विश्वविद्यालय में (परास्नातक) अर्थशास्त्र विषय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए अगले सत्र से विद्या प्रकाश मेमोरियल स्कालरशिप शुरू की जाएगी। उक्त छात्रवृत्ति नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ .राजीव कुमार की तरफ से उनके पिता की स्मृति में दिया जा रहा है, और यह एम ए अर्थशास्त्र के प्रथम वर्ष में पढ़ रहे विद्यार्थी को जो लखनऊ विश्वविद्यालय से स्नातक अर्थशास्त्र स्तर पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करके परास्नातक में प्रवेश लेगा ,उसे दिया जाएगा। यदि स्नातक में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाला विद्यार्थी किसी कारणवश विश्वविद्यालय में प्रवेश नही लेता तो द्वितीय, या तृतीय क्रम से प्रवेशित छात्र (जिसके अंक किसी भी दशा में 60 फीसदी से कम न हो) को प्रदान की जाएगी। छात्रवृत्ति की राशि हर महीने 1000/- रुपये होगी और 2 साल तक दी जाएगी।

TOI Page 3

## Audit to make LU campus green

Mohita.Tewari@timesgroup.com

**Lucknow:** The Lucknow University is set to conduct green audit to analyze and document the level of cleanliness and help in making the campus green and eco-friendly.

The university has tied up with a team of experts at a private organization, who, along with professors and 20 students, will work on various facets of 'Green Campus' including water conservation, tree plantation, waste management, solar energy used, paperless work, mapping of biodiversity and monitoring of air and water quality.

LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai said, "The university will release the 'green audit' report of the campus – a 360-degree environment report of the university. The objective of the exercise is to monitor green practices followed in the university to achieve environmental sustainability."

"It will focus on water, energy, waste and green space management. The audit will keep an account of existing eco-friendly practices like solar energy, manure production, plantation drives and biodiversity. It will also make recommendation for improvement," he added.

The VC said plantation drives would not be confined to just planting of saplings. "Diverse range of saplings will be planted keeping medicinal and aromatic value in view," he added.

Rai said the university would also look into carbon footprint on the campus to evaluate carbon dioxide emission and oxygen released by trees on the campus.

**New consultancy policy for teachers**

LU announced a consultancy policy for teachers according to which professors can give their services to other institutions but they will have to share a percentage of their earnings with the university. Professors of science can keep 60% while those of other faculties can retain 70%.

**Scholarship for eco students**

Lucknow University will award Vidya Prakash Memorial Scholarship to PG students of economics. The scholarship has been started by Niti Aayog chairman Rajeev Kumar in the memory of his father. The student will be awarded Rs 1,000 per month for two years of post-graduation.